मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 32 ■ बुधवार 8 अप्रैल 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

अश्लील गाने के विवाद में नोरा की मुश्किल बढ़ी

लापरवाह बाइक सवार ने बच्चे को मारी टक्कर

- उल्हासनगर-3 रानाबाई चौक की घटना
- घायल बच्चे का इलाज जारी
- घटना सीसीटीवी में कैद

उल्हासनगर. उल्हासनगर 3 स्थित राधाबाई चौक पर, गलत साइड से आ रहे एक बाइक सवार ने सड़क पार कर रहे एक बच्चे को टक्कर मार दी। बच्चे के पैर में चोट लग गई और उसे तुरंत इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। लोगों में गुस्सा है कि चौक पर सेंट्रल पुलिस स्टेशन का चेकपॉइंट होने के बावजूद लापरवाही से गाड़ी चलाना जारी है। पूरी घटना CCTV में कैद हो गई, बाइक सवार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से राधाबाई चौक पर तुरंत स्पीड ब्रेकर लगाने की पुरजोर मांग की है।

युद्ध से प्रभावित कई कंपनियाँ बंद

- ईरान-इज़राइल युद्ध का ज़िले की इंडस्ट्रीज़ पर बड़ा असर
- एक महीने में हजारों मज़दूरों का पलायन, करोड़ों का नुकसान

ठाणे. ईरान-इज़रायल और US के बीच चल रहे संघर्ष का ठाणे ज़िले के छोटे उद्यमियों पर गंभीर असर पड़ने लगा है। कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी, गैस की सप्लाई काफ़ी नहीं होना और ठाणे, डोंबिवली और अंबरनाथ के इंडस्ट्रियल एरिया में मज़दूरों के लगातार पलायन से प्रोडक्शन पर असर पड़ रहा है और MIDC एरिया के लगभग सभी उद्यमियों को एक महीने में हज़ारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

ठाणे ज़िले में तीन ज़रूरी इंडस्ट्रियल एरिया हैं, ठाणे, डोंबिवली और अंबरनाथ। इस एरिया में हज़ारों छोटी इंडस्ट्रीज़ हैं। केमिकल इंडस्ट्रीज़ से लेकर टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज़ तक, छोटे और मीडियम साइज़ के आइटम बनाने वाली कंपनियाँ भी इसमें शामिल हैं। यह इंडस्ट्रियल बेल्ट हज़ारों मज़दूरों को नौकरी देती है और यहाँ का सालाना टर्नओवर भी बड़ा है। लेकिन ईरान और इज़राइल और अमेरिका के बीच चल रहे झगड़े का असर अब इन उद्योगों पर पड़ने लगा है। रॉ मटेरियल समय पर न मिलने से उनकी कीमतें करीब 30 से 50 परसेंट तक बढ़ गई हैं। साथ ही, इंडस्ट्रीज़ के लिए ज़रूरी गैस की सप्लाई भी समय पर नहीं हो पा रही है। इसका असर भी उद्योगों पर पड़ रहा है।

डोंबिवली MIDC इलाके में 450 इंडस्ट्रीज़ हैं। इनमें से 125 बिजनेस केमिकल कंपनियों से जुड़े हैं और 115 टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े हैं। बाकी अलग-अलग सेक्टर की इंडस्ट्रीज़ हैं। अंबरनाथ और डोंबिवली MIDC इलाकों से दवाइयां या उससे जुड़े प्रोडक्ट, खेती के प्रोडक्ट बड़ी मात्रा में एक्सपोर्ट होते हैं। अब प्रोडक्शन में बड़ी गिरावट आई है और इन बिजनेसमैन को करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। ठाणे शहर के वागले एस्टेट MIDC के छोटे बिजनेसमैन भी इससे प्रभावित हुए हैं और यह रकम सैकड़ों करोड़ में होने की संभावना है।

> "रॉ मटेरियल की कीमत में भारी बढ़ोतरी हुई है। बिजनेसमैन नुकसान के बावजूद अपना बिजनेस जारी रखे हुए हैं। हर साल अप्रैल के आखिरी हफ्ते में मजदूर अपने घर जाते हैं। लेकिन इस बार सिलेंडर नहीं मिलने की वजह से मज़दूर पहले ही अपने गांव जा रहे हैं। कॉन्ट्रैक्ट वर्कर भी अब नहीं मिल रहे हैं। डोंबिवली MIDC को एक महीने में लगभग 600 से 700 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।
>
> **–देवेन सोनी, उद्यमी।**

> "कल्याण-अंबरनाथ मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन (CAMA) अंबरनाथ में 1,400 कंपनियां हैं। कई कंपनियां केमिकल, इंजीनियरिंग, टेक्सटाइल और फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी हैं। हर साल 15,000 से 18,000 करोड़ रुपये का टर्नओवर है। इस सेक्टर की कंपनियों को एक महीने में लगभग 500 से 600 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। यहां कई कंपनियां PNG पर निर्भर हैं। इसकी सप्लाई कम हो गई है। खाना बनाने के लिए LPG नहीं मिल रही है, इसलिए मज़दूर पलायन कर रहे हैं। हम सरकार से अपील कर रहे हैं कि वह एंटरप्रेन्योर्स को राहत देने के लिए कदम उठाए।
>
> **-उमेश तायडे, प्रेसिडेंट,**
> एडिशनल अंबरनाथ मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन (AMA)।

घर के झगड़े में युवक को बेरहमी से पीटा गया

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक युवक को उसके घर से बाहर बुलाया गया, उसे ज़बरदस्ती टू-व्हीलर पर बिठाया गया, फैक्ट्री में ले जाया गया और लोहे की रॉड और डंडों से पीटा गया। इस मामले में अंबरनाथ पश्चिम पुलिस स्टेशन में सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

असल में क्या थी घटना?

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने शिकायत करने वाले राजीव संतोष गुप्ता (30, वडोलगांव, अंबरनाथ के रहने वाले) को उसके घर से बाहर बुलाया। जब शिकायत करने वाला बाहर आया, तो आरोपियों ने उसे पीटना शुरू कर दिया और कहा, यह किराएदार है। इसके बाद, आरोपियों ने गुप्ता को ज़बरदस्ती टू-व्हीलर पर बिठाया और उल्हासनगर-3 में कुर्सी बनाने वाली फैक्ट्री के पास ले गए।

लोहे की रॉड से हमला और धमकी

वहां, आरोपियों ने गुप्ता के हाथ, कलाई और पैर पर लोहे की रॉड से मारा। दूसरे साथियों ने भी उसे लातों से बुरी तरह पीटा और घायल कर दिया। चार दिन में कमरा छोड़ दो, नहीं तो झूठे जुर्म में फंसा दूंगा, कहकर आरोपी वहां से भाग गए।

रिश्वत लेते जीएसटी अधिकारी और सहायक गिरफ्तार

ठाणे. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक सॉफ्टवेयर डेवलपर से कथित तौर पर 9,000 रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारी और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है.

नवी मुंबई भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में दर्ज शिकायत के आधार पर, कोंकण भवन में तैनात द्वितीय श्रेणी अधिकारी अमित भानुदास गिरि (45) और उनके सहयोगी वैशाली वसंत कदम (39) को को रिश्वत की राशि स्वीकार करते हुए पकड़ा गया. शिकायतकर्ता को डिजिटल हस्ताक्षर वाले पीटीईसी और पीटीआरसी के संबंध में कारण बताओ नोटिस प्राप्त हुए थे. सोनके ने बताया कि जब उन्होंने मामले को सुलझाने के लिए जीएसटी कार्यालय में आरोपी अधिकारी से मुलाकात की, तो उसने कथित तौर पर नोटिसों को निपटारे के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी.

अंबरनाथ के उद्योगपति विश्वनाथ पनवेलकर की जान खतरे में !

- कथोरे ने गैंगस्टर को सुपारी की पेशकश की थी - पनवेलकर का आरोप
- आरोप बेबुनियाद - कथोरे
- शहर में मची खलबली

अंबरनाथ. अंबरनाथ के प्रख्यात उद्योगपति विश्वनाथ पनवेलकर को विधायक किसन कथोरे ने गैंगस्तर एजाज लकड़ावाला को सुपारी देकर जान से मारने का प्लान बनाया था. ऐसा सनसनीखेज पत्र लकड़ावाला ने स्वतः बदलापुर के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को जेल से भेजकर किया है. विधायक के तीन लोगों ने उनसे हाईकोर्ट में मुलाकात करके कथोरे से बात भी कराया था. लेकिन उन्होंने बात में ये सब करने से इंकार किया. ऐसा लकड़ावाला ने पत्र में लिखा है. एक अंग्रेजी अखबार में इस आशय की खबर प्रकाशित होने के बाद मंगलवार की दोपहर में विश्वनाथ पनवेलकर और उनके वकील अमित कारवां ने पत्रकारों को ये जानकारी दी है.

पिछले वर्ष 2 बाइक सवारों ने की थी फायरिंग

विदित हो कि सन 2025 में विश्वनाथ पनवेलकर के घर सीताई सदन में दो बाइक सवारों ने फायरिंग की थी. उनके वकील ने पत्रकारों को बताया कि पुलिस लकड़ावाला मामले में गहन जांच करेगी तो हकीकत सामने आएगी. लेकिन पुलिस किसी राजनीतिक दबाव में आकर उनको सहकार्य नहीं कर रही है. उन्होंने कहा कि अगर ने सहकार्य नहीं किया तो वह उच्च न्यायालय में न्याय की गुहार लगाएंगे. विश्वनाथ पनवेलकर ने कहा कि उनकी जान को धोखा बढ़ गया है. उनका घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है. मेरे बोलने की शक्ति नहीं रह गई है. मैं टेंशन में आ गया हूं. मेरे काम-धंधे पर असर आ रहा है. मैं बाहर बाहर गया तो यै मुझे खतम करके रहेंगे. उन्होंने पत्रकारों से कहा कि बाद में मुझे श्रद्धांजलि देने के लिए आना.

विदित हो कि पनवेलकर के कई रिसार्ट और खदान हैं. इस आरोप से ठाणे जिले में खलबली मच गई है.

इस संबंध में किसन कथोरे ने अपने खुलासे में कहा है कि पनवेलकर ने जो उन पर आरोप लगाए हैं, वह बेबुनियाद और झूटे हैं. मैं किसी गैंगस्टर को नहीं जानता हूं. जबकि अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित खबर की कॉपी और एजाज लकड़ावाला द्वारा पुलिस को लिखे पत्र की कॉपी भी पत्रकारों को दी गई है.

डंपिंग ग्राउंड हटाने का आदेश

- दस साल पुरानी समस्या खत्म करने का आश्वासन
- लोगों की सेहत के लिए एक बड़ा फैसला

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में सालों से लोगों की सेहत पर असर डाल रहा डंपिंग ग्राउंड का मुद्दा आखिरकार हल होने के आसार है. महापौर अश्विनी निकम ने खुद मौके पर जाकर लोगों की शिकायतें सुनीं और मई तक इस डंपिंग ग्राउंड को हटाने का पक्का वादा किया, जिससे वहां के लोगों में उम्मीद की किरण जगी है।

उल्हासनगर कैंप नंबर 5 में गैर-कानूनी डंपिंग ग्राउंड का मुद्दा पिछले कई सालों से पेंडिंग है, और लोगों को इससे काफी परेशानी हो रही है। इसी को देखते हुए, महापौर अश्विनी निकम ने खुद डंपिंग ग्राउंड का दौरा किया और हालात का जायजा लिया। पिछले दस

सालों से मौजूद इस डंपिंग ग्राउंड की वजह से इलाके में अक्सर आग लगने की घटनाएं होती रहती हैं। इससे निकलने वाला जहरीला धुआं पूरे कैंप 5 इलाके में फैल रहा है, जिससे लोगों को सांस की दिक्कतें, आंखों में जलन और कई तरह की बीमारियां हो रही हैं। इस गंभीर हालात को लेकर लोगों ने महापौर के सामने कड़ी नाराजगी जताई। इंस्पेक्शन के दौरान महिलाओं ने खास तौर पर पानी की कमी का मुद्दा उठाया और रेगुलर पानी सप्लाई की मांग की। इस पर महापौर ने तुरंत मनपा अधिकारियों को ज़रूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि गैर-कानूनी डंपिंग ग्राउंड को तुरंत हटाने और मई तक इस मुद्दे को सुलझाने के लिए एक ठोस एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। महापौर के इस दौरे और दिए गए भरोसे से स्थानीय नागरिकों को राहत मिली है, और अब सबका ध्यान इस बात पर है कि डंपिंग ग्राउंड को हटाने और इलाके को साफ और सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन कितनी गंभीरता से कदम उठा रहा है।

उल्हासनगर में 'लाड़की विद्यार्थिनी' योजना पर ब्रेक?

- फैसले प्रलंबित, नामकरण को लेकर विवाद
- श्रेयवाद की पॉलिटिक्स गरमाई

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की बजट मीटिंग में 'लाड़की विद्यार्थिनी' स्कीम को लेकर जो विवाद हुआ, वह सिर्फ नाम तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सीधे तौर पर स्कीम के भविष्य पर सवाल खड़े कर रहा है। 7वीं से 12वीं तक की जरूरतमंद लड़कियों के लिए ज़रूरी इस स्कीम पर अभी तक बिना प्लान के ही चर्चा हो रही थी, और सावित्रीबाई फुले बनाम ज्योति कालानी नाम की पॉलिटिक्स से माहौल गरमा गया। नतीजतन, लड़कियों के लिए उम्मीद की जा रही स्कीम विवादों के भंवर में फंस गई है।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की बजट मीटिंग में BJP की तरफ से 'लाड़की विद्यार्थिनी' स्कीम शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया था। सुझाव दिया गया था कि इस स्कीम का नाम समाज सुधारक क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले के नाम पर रखा जाए। हालांकि, उसी समय महापौर अश्विनी निकम ने घोषणा की कि यह स्कीम पूर्व MLA स्वर्गीय ज्योति कलानी के नाम पर शुरू की जाएगी। इन दो अलग-अलग भूमिकाओं के कारण सदन में तीखी बहस हुई।

इस स्कीम से शहर के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के करीब 1500 स्टूडेंट्स को फायदा होना था। कहा जा रहा है कि हर महीने आर्थिक मदद देने की इस पहल से नगर निगम के खजाने पर हर साल करीब 9 करोड़ का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। हालांकि, चूंकि नगर निगम पर पहले से ही करीब 1500 करोड़ का बकाया है, इसलिए यह आर्थिक बोझ बहुत बड़ा होगा, इसलिए स्कीम को लागू करने पर सवाल उठ रहे हैं।

खास बात यह है कि स्कीम को कैसे लागू किया जाएगा, इसके क्राइटेरिया क्या होंगे, फंड कैसे जुटाए जाएंगे, इस बारे में कोई ठोस प्लान तैयार नहीं किया गया है। हालांकि, सिर्फ नाम के मुद्दे पर शिवसेना और बीजेपी के बीच साख की राजनीति हो गई है। नतीजतन, स्टूडेंट्स के फायदे की यह स्कीम लागू होने से पहले ही विवादों में घिर गई है।

कल्याण में ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

- अनुशासनहीन ड्राइवरों पर कार्रवाई

कल्याण. शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम और बेकाबू ड्राइवरों पर लगाम लगाने के लिए कल्याण ट्रैफिक पुलिस अब पूरी तरह से 'एक्शन मोड' में आ गई है। रविवार को पुलिस ने अचानक शहर के अलग-अलग हिस्सों में 'आधी रात' का अभियान चलाया और नियम तोड़ने वाले सैकड़ों ड्राइवरों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस की इस कार्रवाई का नतीजा यह हुआ कि बड़ी संख्या में गैर-जिम्मेदार ड्राइवरों पर कार्रवाई हुई।

ट्रैफिक पुलिस ने मुख्य रूप से

शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। इस अभियान में, गाड़ियों की खिड़कियों पर गैर-कानूनी तरीके से लगी फिल्मों को मौके पर ही फाड़ दिया गया। नियमों का उल्लंघन करने वाली और बिना नंबर प्लेट वाली गाड़ियों को निशाना बनाया गया। साथ ही, जिन गाड़ियों की नंबर प्लेट गायब या टूटी हुई थी, उनके ड्राइवरों से भारी जुर्माना वसूला गया। शहर में ट्रैफिक अनुशासन बनाए रखने और हादसों को रोकने के लिए ऐसी 'आधी रात' की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कल्याण ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने ड्राइवरों से अपील की है कि वे रोड सेफ्टी नियमों का पालन करें और ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स अपने साथ रखें।

आधी रात को अचानक लगाए गए नाकाबंदी की वजह से नियमों को तोड़ने वाले कई ड्राइवरों ने भागने की कोशिश की। हालांकि, वे हर बड़े चौराहे पर पुलिस के लगाए जाल में फंस गए। पिछले कुछ दिनों से रात में बढ़ रहे बेकाबू ट्रैफिक को रोकने के लिए यह कैंपेन बहुत ज़रूरी हो गया है।

वांगणी स्टेशन पर जान हथेली पर लेकर पटरी पार करते यात्री

ठाणे. वांगणी रेलवे स्टेशन पर नियमों का बड़े पैमाने पर उल्लंघन देखने को मिल रहा है। स्टेशन एरिया में पश्चिम की ओर जाने के लिए फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद, कई पैसेंजर सीधे रेलवे ट्रैक पार करके अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। इस खतरनाक शॉर्टकट से एक्सीडेंट होने का खतरा रहता है।

सुबह और शाम कर्जत जाने वाली लोकल ट्रेनों में पैसेंजर की काफी भीड़ होती है। कर्जत, भिवपुरी, नेरल, वांगणी, शेलू से हर दिन कई लोग सफर करते हैं। लेट टाइमटेबल, लोकल ट्रेनों की कमी और लोकल ट्रेनों में भीड़ की वजह से पैसेंजर्स को हमेशा परेशानी होती है। ऐसे में, कुछ पैसेंजर्स समय बचाने के लिए पैदल चलने वालों के पुल का इस्तेमाल करने से बचते हैं और सीधे ट्रैक पार करने का रिस्क लेते हैं। असल में, पुल पार करने में कुछ मिनट ज़्यादा लगते हैं, लेकिन जल्दी में या आदत से मजबूर होकर पैसेंजर्स इस सेफ रास्ते से बचते हैं। यह खासकर पीक आवर में और तेज़ स्पीड से चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों के समय खतरनाक होता है। अचानक उनके सामने आने से एक्सीडेंट होने का चांस हमेशा बना रहता है।

सेंट्रल रेलवे के पब्लिक रिलेशन्स ऑफिसर पी. डी. पाटिल ने अपील की है कि पैसेंजर्स को अपनी जान जोखिम में डालकर ट्रैक पार करने से बचना चाहिए। सेफ्टी के लिए बने पुल का इस्तेमाल करने की अपील उन्होंने की है।

ठाणे शहर में मासूम के साथ दुष्कर्म

ठाणे. शहर के नौपाडा इलाके में एक निर्माण स्थल पर सात वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. यौन अपराध के आरोप में एक मजदूर को गिरफ्तार किया गया है. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने इस मामले को गंभीरता से लिया है.

नौपाडा इलाके में एक ईमारत का निर्माण चल रहा है. निर्माण कार्य में सलग्न मजदूर वहीं रहते हैं. निर्माण स्थल पर मजदूरी करने वाले की मासूम बच्ची शाम को कहल रही थी ,जिसका फायदा उठाते हुए वहीं पर काम करने वाले एक दूसरे मजदुर ने बच्ची का यौन उत्पीड़न किया. घटना से व्यथित बच्ची ने अपने माता-पिता को इस बारे में जानकारी दी. जिसकी शिकायत नौपाडा पुलिस स्टेशन में की गयी.

पुलिस ने कुछ ही घंटों में दुष्कर्म के आरोप में एक मजदूर को गिरफ्तार लिया. आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है.

प्लास्टिक निर्माता व सप्लायरों पर कार्रवाई क्यों नहीं?

प्लास्टिक बैन पर कार्रवाई को लेकर दुकानदार और मनपा आमने-सामने

अंबरनाथ. अंबरनाथ और बदलापुर शहर को प्लास्टिक-फ्री बनाने के लिए दोनों नगर पालिकाओं के नए बने नगराध्यक्षों ने कमर कस ली है. पिछले कुछ दिनों से नगर पालिका ने एक बार फिर आक्रामक रुख अपनाते हुए शहर में प्लास्टिक बैग के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है. हालांकि, इस कार्रवाई से व्यापारियों और फेरीवालों में नाराजगी है और उन्होंने रुख अपना लिया है कि हमारी जगह उन्हें पहले बनाने वालों और सप्लायरों पर कार्रवाई करनी चाहिए. इसलिए नगर पालिका की कार्रवाई के लिए जाने वाले कर्मचारियों को भी जवाब देने की समस्या का सामना करना पड़ रहा है.

नगर पालिकाओं में प्रशासनिक राज के दौरान बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन, प्लास्टिक बैन और सफाई के मुद्दों को नज़रअंदाज़ करने के आरोप लगते रहे हैं. अब नए जनप्रतिनिधियों और महापौर के पदभार संभालते ही शहर ने सफाई पर ध्यान दिया है. प्लास्टिक-फ्री शहर का संकल्प जारी करते हुए महापौर ने कर्मचारियों को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं. इसी के तहत नगर निगमों ने प्लास्टिक पर बैन लगाने के फैसले को फिर से लागू करने की तैयारी की थी, जिसे पहले ही नज़रअंदाज़ कर दिया गया था। 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक बैग, सिंगल-यूज़ बैग, थर्मोकोल और दूसरी चीज़ों पर 1 अप्रैल से बैन लगा दिया गया है। उसके बाद अब नगर निगम की टीमें दुकानदारों और फेरीवालों से प्लास्टिक बैग ज़ब्त करके उन पर जुर्माना लगा रही हैं।

हालांकि, इस अभियान के दौरान कई जगहों पर नगर निगम कर्मचारियों और व्यापारियों के बीच झड़प भी हो रही है। व्यापारियों ने प्रशासन के सामने कुछ सवाल भी उठाए हैं। बैग बेचने या इस्तेमाल करने वाले छोटे दुकानदारों को टारगेट करने के बजाय, व्यापारियों ने मांग की है कि पहले उन फैक्ट्रियों को बंद किया जाए जिनमें ये बैग बनते हैं। दुकानदार यह भी मांग कर रहे हैं कि पहले इन बैगों को बेचने, ट्रांसपोर्ट करने और स्टोर करने वालों पर कार्रवाई की जाए।

इस बीच, जहां सब्ज़ी और फल बेचने वालों पर कार्रवाई हो रही है, वहीं शहर में मीट और मछली बेचने वाले काले बैग का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं। उन बैगों पर अभी तक कार्रवाई नहीं हुई है। इसलिए, दुकानदारों ने यह भी सवाल उठाया है कि काले प्लास्टिक बैग को नज़रअंदाज़ क्यों किया जा रहा है। सिर्फ़ रिटेलर्स पर सज़ा देने वाली कार्रवाई करने से प्लास्टिक की समस्या हल नहीं होगी।

लोगों का मानना है कि जब तक प्रोडक्शन के सोर्स बंद नहीं होंगे, यह कैंपेन सफल नहीं होगा। इसलिए अब सबका ध्यान इस बात पर है कि नगर निगम की टीमें प्लास्टिक बनाने वाली फैक्ट्रियों तक पहुंचेंगी या नहीं।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

अपराध के पांव

मामूली बातों के लिए किसी की हत्या कानून व्यवस्था से जुड़ा मसला जरूर है, लेकिन इसका समाजशास्त्रीय पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज किया जाता रहा है। आजकल मामूली बातों पर विवाद जिस तरह हिंसक मोड़ ले रहे हैं, वह चिंता का विषय है। लोग अब छोटी-छोटी बातों पर अपना आपा खो देते हैं। ऐसी घटनाओं का अंत कई बार किसी की हत्या तक के रूप में सामने आता है। इस तरह के मामलों में नाबालिगों के भी शामिल पाए जाने से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

देश की राजधानी होने के बावजूद कानून और सामाजिक विकास के मोर्चे पर नाकामी की वजह से आपराधिक घटनाओं में नाबालिगों की बढ़ती संलिप्तता के पीछे किसकी कमजोरी मानी जाएगी?

पिछले दिनों उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में महज चार सौ रुपये के लेनदेन के विवाद में युवक की हत्या समाज की दशा और दिशा की एक तकलीफदेह तस्वीर सामने रख देती है। इस मामले में तीन नाबालिगों पर आरोप है कि वे घटनास्थल पर युवक को चाकू मारते रहे, जबकि चौथा इस घटना का वीडियो बनाता रहा। साफ है कि आरोपियों के मन में कानून का कोई खौफ नहीं था।

इससे पहले भी दिल्ली में हुई कई वारदात में नाबालिग शामिल पाए गए हैं। देश की राजधानी में अपराध की यह तस्वीर कैसे और क्यों बन रही है, यह चिंता सरकार की प्राथमिकता में कहीं नहीं दिखती। इसकी फिक्र भी किसी को नहीं है कि कम उम्र के किशोरों के हाथों में घातक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। हाल के वर्षों में कम उम्र के बच्चों के बीच भी हिंसा की प्रवृत्ति जिस तरह बढ़ी है, यह समाज के लिए बेहद खतरनाक है।

नशे की लत का शिकार होने के बाद कई नाबालिग इस समय अपराध के दलदल में धंसते दिख रहे हैं। अगर कुछ किशोर आपराधिक वारदात को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं, तो कानून व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदार लोग क्या कर रहे हैं? कानून से लेकर समाज तक, अपराध और अपराधियों के प्रति जरूरी सख्ती न बरतने का ही नतीजा है कि नाबालिगों के कदम अपराध की ओर बढ़ रहे हैं। सरकार और समाज के लिए यह व्यापक चिंता का मसला होना चाहिए।

विमर्श

केंद्रीय बलों में आईपीएस की तैनाती का सवाल

इन दिनों संसद की ओर से पारित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक चर्चा में है। इस विधेयक का उद्देश्य आईपीएस अधिकारियों की केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) में प्रतिनियुक्ति पर तैनाती का नियमितीकरण करना है।

इसमें यह प्रविधान है कि पुलिस महानिरीक्षक स्तर के 50 प्रतिशत पद आईपीएस अफसरों की प्रतिनियुक्ति से भरे जाएंगे। इसी प्रकार अतिरिक्त महानिदेशक स्तर के न्यूनतम 67 प्रतिशत पद आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति से भरे जाएंगे। जहां तक विशेष महानिदेशक एवं महानिदेशक के पदों का प्रश्न है, समस्त अर्थात सौ प्रतिशत पद आईपीएस अधिकारियों के लिए प्रतिनियुक्ति हेतु आरक्षित रहेंगे।

चूंकि उप-महानिरीक्षक एवं कनिष्ठ स्तर के पदों के संबंध में विधेयक मौन है, इसलिए यही लगता है कि इन पदों के संबंध में नियम पूर्व अनुसार ही लागू रहेंगे। प्रस्तावित नियम पांच प्रकार के केंद्रीय बलों क्रमशः सीआरपीएफ, बीएसएफ, आइटीबीपी, सीआइएसएफ और सशस्त्र सीमा बल पर लागू होंगे।

दशकों से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में आईपीएस अधिकारी तैनात रहकर अपना योगदान देते आ रहे हैं। केंद्रीय बलों की मुख्य भूमिका आंतरिक सुरक्षा, सीमा सुरक्षा और औद्योगिक सुरक्षा है। ये बल राज्य पुलिस बलों की सहायता के लिए तैनात किए जाते हैं। केंद्र और राज्यों के बलों में बेहतर समन्वय के लिए जरूरी है कि केंद्रीय बलों में आईपीएस

अधिकारी तैनात रहें। भारत में संघीय प्रणाली लागू है। संविधान के अनुच्छेद 312 के तहत अखिल भारतीय सेवाओं का प्रविधान इसी उद्देश्य से किया गया था ताकि केंद्र और राज्यों में वे अपनी जिम्मेदारियों का निष्पादन कर सकें। केंद्रीय सशस्त्र बल माओवाद प्रभावित इलाकों, जम्मू कश्मीर और उत्तर-पूर्वी राज्यों में आतंकवाद से निपटने के लिए राज्यों की सहायता के लिए तैनात हैं।

उक्त विधेयक को सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के संबंध में मई 2025 में दिए गए निर्णय के खिलाफ समझा जा रहा है। मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को ऑर्गेनाइज्ड ग्रुप ए सर्विसेज मानते हुए कुछ वित्तीय लाभ देने के आदेश दिए थे और केंद्रीय बलों के अधिकारियों की पदोन्नति के अवसरों को बढ़ाने के लिए पुलिस महानिरीक्षक स्तर तक प्रतिनियुक्ति को आगामी दो साल में धीरे-धीरे कम करने का कहा था।

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के आधार पर केंद्रीय बलों के सेवानिवृत्त अधिकारियों ने यह मांग रख दी कि उनकी सर्विसेज संगठित प्रकार की होने से प्रतिनियुक्ति को समाप्त किया जाए और उन्हीं के अधिकारी उनके बलों को नेतृत्व प्रदान करें। केंद्रीय बलों के कुछ अधिकारियों ने भी प्रतिनियुक्ति के खिलाफ मोर्चा सा खोल दिया। यह किसी भी अनुशासित बल को शोभा नहीं देता। सुप्रीम कोर्ट ने 2025 के अपने आदेश में कहा था कि केंद्रीय बलों के कादर की समीक्षा की जाए और उनके भर्ती नियमों और सेवा शर्तों में आवश्यक बदलाव किया जाए। इस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय बलों को एक संगठित ग्रुप मानते हुए यह नहीं कहा था कि आईपीएस अफसरों की प्रतिनियुक्ति न की जाए। इसके बजाय सुप्रीम कोर्ट ने यह माना था कि केंद्र एवं राज्यों में बेहतर तालमेल के लिए आईपीएस अफसरों को प्रतिनियुक्ति पर इन बलों में तैनात करना एक नीतिगत निर्णय है, जो सरकार को लेना है।

केंद्रीय बलों को आईपीएस अफसरों द्वारा नेतृत्व प्रदान करने और वरिष्ठ पदों पर तैनात होने पर न तो सुप्रीम कोर्ट ने कुछ कहा और न ही यह विवाद का मुद्दा था। इसलिए महानिदेशक सहित वरिष्ठ पदों पर तैनाती के मुद्दे पर किसी बहस का प्रश्न नहीं उठता। वैसे भी राज्यों में आपरेशन संबंधी गतिविधियों के समन्वय के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक या विशेष पुलिस महानिदेशक स्तर के अधिकारी तैनात रहते हैं।

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

लापरवाही की कीमत चुकाती जनता

पीने का स्वच्छ पानी सबसे बुनियादी जरूरतों में से एक है, जिसके सुरक्षित होने के सवाल पर किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। विडंबना यह है कि देश के अनेक हिस्सों में दूषित पेयजल से उपजे जोखिम के मामले सुर्खियों में आने पर सब कुछ ठीक करने के सरकारी आश्वासन जरूर सामने आते है, लेकिन कुछ समय बाद फिर वैसी ही घटना कहीं और से सामने आ जाती है।

गौरतलब है कि जयपुर के सुशीलपुरा इलाके में दूषित पेयजल से पिछले हफ्ते सैकड़ों लोग बीमार हो गए। इनमें बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। लोगों ने उल्टी, दस्त, पेट दर्द, जी मिचलाने और बुखार जैसे लक्षणों की शिकायत की।

खबरों के मुताबिक, इलाके में सड़क बनाने के काम के दौरान पानी की भूमिगत पाइपलाइन टूट गई, जिससे पेयजल में सीवर का पानी मिल गया। ऐसा लगता है कि न तो स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति को लेकर सरकार गंभीर है, न ही विकास कार्यों के दौरान इस बात का खयाल रखना जरूरी समझा जाता है कि क्या इसकी वजह से दूसरी गंभीर समस्या पैदा हो सकती है।

देश के किसी हिस्से में दूषित पेयजल की वजह से बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की यह कोई पहली घटना नहीं

है। करीब तीन महीने पहले देश के सबसे स्वच्छ माने जाने वाले शहर इंदौर में दूषित पानी पीने की वजह से कई लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों बीमार हो गए। तब यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर चिंता का कारण बना था और इसके बाद हर ओर से पेयजल आपूर्ति को सुरक्षित बनाने की मांग उठी थी।

हकीकत यह है कि आए दिन देश के किसी हिस्से से दूषित पेयजल की वजह से लोगों के बीमार होने की खबरें आती रहती हैं। सवाल है कि जिस दौर में हर घर में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराने के दावे किए जा रहे हैं, उसमें अक्सर ऐसी घटनाएं सामने क्यों आ रही हैं कि लोगों के घरों में दूषित पेयजल पहुंच रहा है।

कभी सीवर का पानी पाइपलाइन में मिल जाता है, तो कभी किसी अन्य कारण से जहरीला पेयजल लोगों तक पहुंचता है। विकास कार्यों के संचालन और तालमेल की हालत यह है कि सड़क की खुदाई करते हुए इस बात को लेकर सावधानी बरतना जरूरी नहीं समझा जाता कि पेयजल की पाइपलाइन को कोई नुकसान न पहुंचे।

सरकार के कामकाज में बरती गई लापरवाही की वजह से आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित होने की किसी घटना का सबक यह होना चाहिए कि ऐसे हर कदम सख्ती से उठाए जाएं, ताकि भविष्य में वैसा फिर न हो।

मगर सच यह है कि जब कोई मामला तूल पकड़ लेता है, तब सरकार जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और पीड़ितों को मुआवजा देने की घोषणा करती है, लेकिन इसके कुछ समय बाद सब कुछ बदस्तूर चलने लगता है।

सरकारी महकमों की लापरवाही और कुप्रबंधन की वजह से जब बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ते हैं या उनकी जान जाती है, तो निचले स्तर के कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करके समस्या का हल मान लिया जाता है, जबकि इसके वास्तविक दोषी बचे रह जाते हैं।

नतीजतन समस्या ज्यों की त्यों बनी रहती है। दूषित पेयजल से लोगों के बीमार होने की खबरों से यही साबित होता है कि आम जनता की सेहत और जिंदगी को लेकर सरकारी तंत्र किस हद तक लापरवाह है। जनता को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के केवल नारे या दावे से समस्या का हल नहीं निकल सकता।

संसद में नहीं बजाई जाती ताली, आखिर क्यों?

जरा हट के

जब भी संसद का सत्र चलता है, टीवी पर आप देखते हैं कि कोई अच्छी बात कहे जाने पर सांसद ताली बजाने की बजाय अपने डेस्क पर जोर-जोर से हाथ मारते हैं. यह आवाज पूरे सदन में गूंजती है. कई लोग सोचते हैं कि यह सिर्फ एक रिवाज है, लेकिन इसके पीछे एक लंबा इतिहास और नियम है.

संसद में ताली बजाना वर्जित है. इसकी जगह डेस्क थंपिंग की परंपरा है. हमने कई बार संसद में डेस्क थम्पिंग करते हुए देखा है. लेकिन ज्यादातर लोग ये जानने की कोशिश नहीं करते कि आखिर इसकी क्या वजह है. अगर आपको भी इसका कारण नहीं पता तो आइये आज हम आपको बताते हैं इसकी असली वजह?

ताली बजाना है मना

भारतीय संसद (लोकसभा और राज्यसभा) की कार्यवाही ब्रिटिश संसद से प्रेरित है. ब्रिटेन

में सदन की कार्यवाही के दौरान ताली बजाना सदस्य की बात में व्यवधान माना जाता है. Erskine May नामक संसदीय नियम पुस्तक में स्पष्ट लिखा है कि सदस्य बोलते समय हिजिंग, चैंटिंग, ताली बजाना, बूइंग या कोई अन्य व्यवधान नहीं पैदा कर सकते. भारत ने स्वतंत्रता के बाद अपनी संसद बनाई तो ब्रिटिश संसदीय परंपराओं को अपनाया. राज्यसभा के लोकसभा और नियमों में भी ताली बजाना अनुशासन भंग माना जाता है. अगर कोई सदस्य ताली बजाता है तो स्पीकर या चेयरमैन उसे तुरंत रोक सकता है.

सांसद अपनी डेस्क (टेबल) पर हाथ मारकर आवाज करते हैं. यह सहमति, तारीफ या समर्थन जताने का तरीका है. जब कोई अच्छा भाषण देता है, कोई महत्वपूर्ण बिल पास होता है या कोई गेस्ट आता है, तो सदस्य डेस्क थंपिंग करते हैं. यह तरीका शोर मचाए बिना समर्थन दिखाने का औपचारिक और अनुशासित तरीका है. ताली बजाने से ज्यादा यह आवाज नियंत्रित रहती है और सदन की गरिमा बनी रहती है. राज्यसभा के नियमों में भी विदेशी गेस्ट के लिए डेस्क थंपिंग को विशेष रूप से अनुमति दी गई है.

मस्क मेलन-मिंट कूलर

खाना-खजाना

खरबूजा शरीर में पानी की कमी पूरी करता है और पुदीना पेट को गजब की ठंडक देता है। यह ड्रिंक न सिर्फ पीने में लाजवाब है, बल्कि आपको दिनभर तरोताजा भी रखेगी। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने का सबसे आसान तरीका।

सामग्री

कटा हुआ खरबूजाः 2 कप (बीज निकले हुए)
ताजा पुदीने के पत्तेः 10 से 12 पत्ते
नींबू का रसः 1 से 2 चम्मच (चटपटे स्वाद के लिए)
काला नमकः आधा चम्मच
शहद या चीनीः 1 चम्मच
भुना हुआ जीरा पाउडरः चुटकी भर (स्वाद बढ़ाने के लिए)
बर्फ के टुकड़ेः 4 से 5

बनाने की विधि

सबसे पहले एक पके हुए मीठे खरबूजे को छील लें। इसके सारे बीज निकालकर इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक मिक्सर जार या ब्लेंडर लें। इसमें कटे हुए खरबूजे के टुकड़े और ताजे पुदीने के पत्ते डाल दें। इसी जार में नींबू का

रस, काला नमक, शहद (या चीनी) और भुना हुआ जीरा पाउडर डाल दें। जरूरत महसूस हो तो थोड़ा सा (लगभग आधा कप) पानी डालें और सभी चीजों को एकदम स्मूथ होने तक अच्छे से पीस लें।

अगर आपको ड्रिंक एकदम स्मूथ और बिना रेशे वाला चाहिए, तो आप इसे छलनी से छान सकते हैं। वैसे बिना छाने इसे पीने का अपना ही मजा है और खरबूजे का फाइबर आपकी सेहत के लिए भी बहुत अच्छा होता है।

अब एक सुंदर-सा ग्लास लें, उसमें कुछ बर्फ के टुकड़े डालें और अपना तैयार किया हुआ ठंडा-ठंडा मस्क मेलन-मिंट कूलर ग्लास में डाल दें।

सर्व करने से पहले ग्लास के ऊपर एक पुदीने की पत्ती और नींबू का छोटा-सा टुकड़ा लगा दें। इससे यह देखने में बिल्कुल किसी कैफे की महंगी ड्रिंक जैसा लगेगा।

फ्रिज से बेहतर है मटके का पानी, लेकिन सफाई भी जरूरी

गर्मियों के मौसम में फ्रिज के ठंडे पानी की जगह मटके का पानी पीना सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। मटका प्राकृतिक तरीके से पानी को ठंडा रखता है और उसका pH बैलेंस बनाए रखने में भी मदद करता है। लेकिन अगर मटके के रख-रखाव में लापरवाही बरती जाए, तो यही पानी आपको बीमार भी बना सकता है। इसलिए मटके को सही तरीके से साफ करना जरूरी है। आइए जानें मटके को साफ रखने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

नए मटके को साफ करने का सही तरीका

- जब आप बाजार से नया मटका लाते हैं, तो उसे सीधे इस्तेमाल न करें।
- सबसे पहले मटके को कम से कम 5-6 घंटे के लिए साफ पानी से भरे टब में डुबोकर रखें। इससे मटके की मिट्टी पूरी तरह हाइड्रेट हो जाती है और बाद में पानी लीक नहीं होगा।
- इसके बाद मटके को हाथों या किसी मुलायम ब्रश से रगड़कर धोएं और थोड़ी देर धूप में सुखाएं।
- जब मटका अच्छी तरह सूख जाए, तभी इसमें पानी भरें।

नियमित सफाई है जरूरी

मटके में पानी लंबे समय तक जमा रहने से उसकी भीतरी दीवारों पर काई जम सकती है। इसके अलावा, ढक्कन खुला रहने या गंदगी होने पर कीड़ों के लार्वा पनप सकते हैं। इसलिए हर दिन मटका भरने से पहले उसका पुराना पानी पूरी तरह निकाल दें और मटके को

खंगालकर ही नया पानी भरें।

मटके से पानी निकालने के लिए हमेशा लंबे हैंडल वाले डोंगे का इस्तेमाल करें। सीधे हाथ या गिलास अंदर डालने से कीटाणु पानी में मिल सकते हैं।

साबुन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें

मिट्टी के घड़े में बहुत छोटे पोर्स होते हैं, जिनसे ईवापोरेशन होता है और पानी ठंडा रहता है। अगर आप मटके को बर्तन धोने वाले साबुन या लिक्विड से धोते हैं, तो साबुन के कण उन पोर्स में जमा हो जाते हैं। यह न केवल पानी के स्वाद को बिगाड़ता है, बल्कि आपके पेट में जाकर इन्फेक्शन भी पैदा कर सकता है। इसकी जगह मटके को साफ करने के लिए बेकिंग सोडा या नमक का इस्तेमाल करें। यह गंध और कीटाणुओं को प्राकृतिक रूप से खत्म कर देता है।

गंध और जिद्दी गंदगी से छुटकारा

लगातार इस्तेमाल के बाद कभी-कभी मटके से मिट्टी की सोंधी खुशबू के बजाय अजीब सी गंध आने लगती है। इससे बचने के लिए हर 15 दिन में एक बार पानी में थोड़ा-सा सिरका मिलाकर मटके को अंदर से साफ करें। इससे बैक्टीरिया खत्म होते हैं और किसी भी तरह की बदबू दूर हो जाती है। मटके के बाहरी हिस्से पर जमने वाले सफेद नमक को भी समय-समय पर साफ करते रहें, ताकि पोर्स बंद न हों।

सही जगह रखें

मटके को हमेशा किसी हवादार जगह पर रखें। खिड़की के पास या ऐसी जगह जहां हवा का सर्कुलेशन अच्छा हो, वहां ईवापोरेशन तेज होता है और पानी ज्यादा ठंडा रहता है। मटके को किसी गीले सूती कपड़े से लपेटकर रखना भी ठंडक बढ़ाने का एक बेहतरीन तरीका है।

आज का राशिफल

मेष : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृषभ : शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन : पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

कर्क : लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है। आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह : पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी। उत्साह बना रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

कन्या : आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में सहकर्मियों का साथ रहेगा।

तुला : प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। सभी ओर से सफलता मिलेगी।

वृश्चिक : राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें।

मकर : राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई नई समस्या आ सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कुंभ : आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मीन : पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पनीर पकाते समय कहीं आप भी तो नहीं कर रहे 3 भूल?

पनीर को शाकाहारियों के लिए प्रोटीन का पावरहाउस माना जाता है। चाहे जिम जाने वाले युवा हों या बढ़ते बच्चे, हर कोई मांसपेशियों की मरम्मत और मजबूती के लिए पनीर पर निर्भर रहता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पनीर को केवल डाइट में शामिल करना ही काफी नहीं है? उसे पकाने का तरीका तय करता है कि आपके शरीर को कितना पोषण मिलेगा। जी हां, अक्सर स्वाद और टेक्सचर के चक्कर में हम रसोई में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे पनीर का प्रोटीन कम हो जाता है। अगर आप भी पनीर को गलत तरीके से पका रहे हैं, तो आप केवल कैलोरी ले रहे हैं, प्रोटीन नहीं।

बहुत तेज उबलते पानी में पनीर डालना

अक्सर पनीर को नरम बनाने के चक्कर में लोग उसे खौलते हुए पानी में डाल देते हैं या बहुत देर तक पानी के साथ उबालते हैं।पनीर के प्रोटीन ज्यादा तापमान के प्रति संवेदनशील होते हैं। जब आप इसे 100°C से ऊपर के उबलते पानी में डालते हैं, तो इसके प्रोटीन स्ट्रक्चर का डिनाचुरेशन हो जाता है। इससे पनीर रबड़ जैसा सख्त हो जाता है और उसके भीतर मौजूद विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स जैसे पोषक तत्व पानी में घुलकर खत्म हो जाते हैं।

सही तरीका- पनीर को कभी भी उबलते पानी में न पकाएं। अगर पनीर सख्त है, तो उसे गुनगुने पानी में 5-10 मिनट के लिए भिगोकर

छोड़ दें। इससे वह बिना पोषण खोए नरम हो जाएगा।

पनीर को डीप फ्राई करना

मटर पनीर हो या कड़ाही पनीर, हम अक्सर पनीर के टुकड़ों को सुनहरा होने तक तेल में डीप फ्राई करते हैं। स्वाद में तो यह लाजवाब लगता है, लेकिन सेहत के लिहाज से यह सबसे बड़ी भूल है। डीप फ्राई करने से पनीर की बाहरी परत सख्त हो जाती है, जिसे पचाना शरीर के लिए मुश्किल होता है। ज्यादा तापमान पर तलने से पनीर में मौजूद गुड़ फैट्स ऑक्सीडाइज हो जाते हैं और प्रोटीन की गुणवत्ता गिर जाती है। साथ ही, यह पनीर की कैलोरी को 2 से 3 गुना बढ़ा देता है, जिससे वजन घटने के बजाय बढ़ने लगता है।

सही तरीका- पनीर को तलने के बजाय सौंटे करें। इससे स्वाद भी बरकरार रहेगा और प्रोटीन भी।

स्टोर करने का गलत तरीका

पनीर एक जल्दी खराब होने वाला फूड है। अगर पनीर को बिना ढके खुला रख दें या बहुत दिनों तक स्टोर करने से उसमें बैक्टीरिया पनपने शुरू हो जाते हैं और उसका प्रोटीन कम होने लगता है। इससे फूड पॉइजनिंग का खतरा भी रहता है।

सही तरीका- पनीर को हमेशा एक कटोरे में साफ पानी भरकर उसमें डुबोकर रखें और फिर फ्रिज में रखें। पानी को हर 24 घंटे में बदलते रहें। इससे पनीर 2-3 दिनों तक ताजा और प्रोटीन से भरपूर रहेगा।

बिना काटे कैसे पता करें खरबूजा मीठा है या कच्चा?

छिलके की 'जाली' और रंग पर दें ध्यान

खरबूजे के ऊपर जो उभरी हुई धारियां या 'जाली' होती है, वह बहुत कुछ बताती है। हमेशा ऐसा खरबूजा चुनें जिसकी जाली अच्छी तरह से उभरी हुई और साफ हो। इसके अलावा, जाली के नीचे का रंग देखें। अगर वह हरा है, तो खरबूजा अभी कच्चा है। पके हुए खरबूजे का रंग हल्का पीला, सुनहरा या क्रीम कलर का होता है।

वजन से लगाएं सही अंदाजा

जब भी खरबूजा खरीदें, तो उसे अपने हाथ में उठाकर देखें। एक मीठा और रस से भरा खरबूजा अपने आकार के हिसाब से काफी भारी लगता है। इसका मतलब है कि उसमें पानी और रस की मात्रा भरपूर है। अगर खरबूजा हल्का लग रहा है, तो वह अंदर से सूखा और फीका हो सकता है। आप दो बराबर आकार के खरबूजों को उठाकर उनके वजन की तुलना भी कर सकते हैं।

हल्का दबाकर चेक करें

खरबूजे के ठीक नीचे वाले हिस्से को अपने अंगूठे से हल्का सा दबाकर देखें। अगर वह हिस्सा हल्का-सा दबता है यानी थोड़ा नरम है, तो इसका मतलब है कि खरबूजा पक चुका है, लेकिन अगर वह पत्थर की तरह एकदम सख्त है, तो उसे वापस रख दें, क्योंकि वह अभी कच्चा है।

डंठल का निशान देखें

खरबूजा बेल पर कैसे पका, यह जानने के लिए उसका डंठल वाला हिस्सा देखें। अगर डंठल वाला हिस्सा बिल्कुल साफ है और अंदर की तरफ हल्का-सा धंसा हुआ है, तो यह इस बात का सबूत है कि खरबूजा बेल पर पूरी तरह पकने के बाद खुद-ब-खुद टूटा है। अगर वहां डंठल का टुकड़ा लगा हुआ है या छिलका फटा हुआ है, तो इसका मतलब है कि उसे कच्चा ही बेल से जबरदस्ती तोड़ लिया गया है।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

लापता 12वीं की छात्रा से दरिंदगी के बाद हत्या, गांव में ही कुएं में मिला अर्धनग्न शव

झांसी. उत्तर प्रदेश के झांसी जिले से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। उल्दन थाना क्षेत्र के निमौनी गांव में पिछले पांच दिनों से लापता 12वीं की एक छात्रा का शव मंगलवार सुबह गांव के ही एक पुराने और अनुपयोगी कुएं में मिला। छात्रा का शव अर्धनग्न अवस्था में झाड़ियों के बीच पड़ा था, जिसे देखते ही पूरे इलाके में कोहराम मच गया। परिजनों ने सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या और पहचान छिपाने के लिए आंखें फोड़ने जैसा गंभीर आरोप लगाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निमौनी गांव की रहने वाली 17 वर्षीय छात्रा 2 अप्रैल को अचानक घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन जब उसका कहीं पता नहीं चला तो पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे जब कुछ ग्रामीण खेतों की ओर जा रहे थे, तब उन्होंने कुएं के भीतर झाड़ियों में एक शव देखा। शिनाख्त होने पर पता चला कि यह वही छात्रा है जिसकी तलाश पिछले पांच दिनों से की जा रही थी।

कार दुर्घटना में मारे गए 3 किडनैपर, 2 अगवा भाइयों की बच गई जान

बरेली. जैसी करनी, वैसी भरनी कहवात बरेली सड़क हादसे पर सटिक बैठती है। दरअसल, दो दिन पहले हुए एक्सीडेंट में मरने वाले तीन लोग और चौथा घायल युवक किडनैपर निकले। ये सभी एक ऑटो चालक और उसके दो मासूम बेटों का अपहरण कर लाए थे। हालांकि आपसी अनबन के चलते वे बच्चों को वापस हरियाणा के गुरुग्राम छोड़ने जा रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। हादसे में अपहृत दोनों बच्चे भी घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, उनके पिता को पुलिस ने एक आरोपी के घर से बरामद कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में एक घायल समेत दो अन्य आरोपियों को हिरासत में लिया है। हादसे में बोलेरो सवार फरीदपुर के टांडा सिकंदरपुर निवासी मनमोहन सिंह, पीलीभीत में अमरिया तहसील के कल्याणपुर चक्रतीर्थ के सिकंदर और रामपुर में विलासपुर थाना क्षेत्र के रमनपुर कुर्तिया के विशेष यादव की मौत हो गई थी। वहीं, रमनपुर कुर्तिया के बोलेरो चालक प्रिंस यादव व दो बच्चे घायल हो गए थे।

पुलिस फंड के लिए महिला सिपाही और बेटे की हत्या की रची साजिश

रामपुर. रामपुर जिले के गंज थाना क्षेत्र में 25 फरवरी को चाकू चौराहे पर हुए हादसे में महिला सिपाही और उसके बेटे की मौत कोई सड़क हादसा नहीं था, बल्कि डबल मर्डर की सोची समझी साजिश थी। यह साजिश रचने वाला कोई और नहीं बल्कि महिला सिपाही का पति था। जिसने सिपाही की मौत के बाद पुलिस विभाग से मिलने वाली लाखों रुपये की रकम हड़पने के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर यह खतरनाक प्लान तैयार किया था। पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए महिला सिपाही के पति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि,फरार दो अन्य साथियों की तलाश जारी है।

इस साजिश की पटकथा 25 फरवरी की रात गंज कोतवाली क्षेत्र में चाकू चौराहे वाली सड़क पर लिखी गई थी। मिलक के ग्राम बेहतरा निवासी दान सिंह अपनी पत्नी लता सिंह, दो साल के बेटे लड्डू और मिलक कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जमापुर निवासी अपने रिश्तेदार रवि कुमार के साथ नैनीताल घूमने गए थे। लता सिंह यूपी पुलिस में सिपाही थी और उसकी पोस्टिंग श्रावस्ती जिले में थी। सभी नई कार आने की खुशी में घूमने गए थे। 25 फरवरी की रात कार दान सिंह चला रहा था। उस वक्त दावा किया गया था कि काशीपुर गांव से निकलते ही एक डंपर ने कार को साइड से टक्कर मार दी थी। हादसे के बाद तुरंत कार में आग लग गई थी। देखते-देखते कार धूं-धूंकर जल उठी।

सरकार बोली- अदालत धार्मिक मामलों में दखल न दे

सबरीमाला केस में कहा- संसद इस पर कानून बना सकती है, संविधान में इसका प्रावधान

नई दिल्ली. केरलम के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को एंट्री देने का आदेश जारी रहे या नहीं, सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान पीठ आज से इस पर सुनवाई कर रही है। वकील इस पर बहस कर रहे हैं कि क्या यह मामला सबरीमाला केस की समीक्षा पर सुनवाई का है, या फिर यह केवल रेफर किए गए 7 सवालों के जवाब देने तक ही सीमित रहेगा।

केंद्र ने सुनवाई से पहले अपने लिखित जवाब में कहा- सबरीमाला में मासिक धर्म आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक बरकरार रखी जाए। यह मामला पूरी तरह धार्मिक आस्था और किसी विशेष धार्मिक समूह के अपने नियम तय करने के अधिकार से जुड़ा है, इसलिए इस पर अदालत को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा- अगर कोई सामाजिक बुराई है, जिसे धार्मिक प्रथा का नाम दे दिया गया हो तो अदालत उनके बीच फर्क कर सकती है कि वह एक सामाजिक बुराई है या कोई अनिवार्य धार्मिक प्रथा है। इस पर केंद्र ने कहा, 'संवैधानिक दृष्टि से इसका जवाब यह होगा कि इसका समाधान 'अनुच्छेद 25(2)(b)' में है, यानी संसद इस पर कानून बना सकती है।'

दरअसल, धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव के मुद्दे पर जारी इस सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट सबरीमाला के अलावा मस्जिदों में महिलाओं की एंट्री, दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला का खतना और दूसरे धर्म में शादी करने वाली पारसी महिलाओं को धार्मिक स्थलों में जाने का अधिकार मिले या नहीं, कोर्ट इस पर भी फैसला करेगा।

> जब सामाजिक बुराइयों को धार्मिक प्रथा के रूप में पेश किया जाता है, तो अदालतें दखल देती हैं।
>
> **सुप्रीम कोर्ट**

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े ये सवाल पिछले 26 साल से देश की अलग-अलग अदालतों में पेंडिंग हैं। सुप्रीम कोर्ट में आज से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई होगी।
सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, जबकि विरोध करने वाले 14 अप्रैल से 16 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे।

'ईरानी जनता रेल से सफर न करे'

इजराइल की चेतावनी- अगले 12 घंटे पटरियों से भी दूर रहें, वरना जान जा सकती है

इजराइल ने ईरान में लोगों को ट्रेन से सफर न करने की चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि अगले 12 घंटे तक ट्रेन का इस्तेमाल न करें और रेल की पटरियों से भी दूर रहें।

इजराइली सेना (IDF) ने मंगलवार को एक्स पर जारी बयान में कहा, "प्रिय नागरिकों, आपकी सुरक्षा के लिए हम आपसे अपील करते हैं कि अभी से लेकर रात 9 बजे (ईरान समय) तक पूरे देश में ट्रेन से यात्रा न करें। ट्रेन और रेलवे लाइनों के पास आपकी मौजूदगी आपकी जान के लिए खतरा हो सकती है।"

ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज खोलने के लिए मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिकी समय) तक का समय दिया है, लेकिन इजराइल की चेतावनी उससे करीब 6.5 घंटे पहले खत्म हो जाएगी।

ट्रम्प ने ईरान को 1 रात में तबाह करने की धमकी दी

ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को "एक ही रात में खत्म किया जा सकता है।" उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान तय समय से पहले अमेरिका से समझौता नहीं करता, तो कार्रवाई कभी भी हो सकती है और यह मंगलवार रात भी हो सकती है।

ट्रम्प की शर्त है कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट को खोले। यह वही रास्ता है, जहां से दुनिया के करीब 20% तेल की सप्लाई गुजरती है। इसके लिए उन्होंने मंगलवार रात 8 बजे (वॉशिंगटन समय) तक की डेडलाइन दी है, जो भारत में बुधवार सुबह 5:30 बजे होती है।

व्हाइट हाउस में ट्रम्प ने कहा कि उन्हें लगता है कि ईरान के नेता बातचीत तो कर रहे हैं, लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि कोई समझौता होगा या नहीं। वहीं, ईरान ने अस्थायी युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। उसने कहा है कि वह स्थायी समाधान चाहता है और उस पर लगे प्रतिबंध हटाए जाएं।

ईरान को एक और बड़ा झटका

US-इजरायली हमलों में खुफिया चीफ की मौत; कौन थे माजिद खादेमी?

ईरान युद्ध का 38वां दिन है। इस बीच, इजरायल और अमेरिकी फौजों ने ईरान को बड़ा झटका दिया है। सोमवार को राजधानी तेहरान में तड़के किए गए हमलों में ईरान के पैरामिलिट्री रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) के खुफिया विभाग के प्रमुख माजिद खादेमी की मौत हो गई है। IRGC ने खुद ये जानकारी दी है। हालांकि IRGC ने यह विस्तार से नहीं बताया कि उनके इंटेलिजेंस चीफ की मौत कहाँ हुई, लेकिन ये रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब राजधानी तेहरान के आसपास के रिहायशी इलाकों को कई हवाई हमलों में निशाना बनाया गया है।

IRGC ने बताया कि सोमवार को इजरायली हमलों में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के इंटेलिजेंस प्रमुख की मौत हो गई। गार्ड ने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक पोस्ट में कहा, "इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के इंटेलिजेंस संगठन के शक्तिशाली और शिक्षित प्रमुख, मेजर जनरल माजिद खादेमी, आज सुबह अमेरिकी-ज़ायोनी दुश्मन द्वारा किए गए एक आपराधिक आतंकवादी हमले में शहीद हो गए।"

कौन थे मेजर जनरल माजिद खादेमी?

माजिद खादेमी ईरान की सर्वोच्च सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के शीर्ष अधिकारी थे। उन्होंने 2022 में जनरल मोहम्मद काज़ेमी की जगह ली थी, जिन्हें इजरायल ने उसी साल जून में हुए 12-दिवसीय युद्ध में मार गिराया था। वे 2022 से IRGC के इंटेलिजेंस प्रोटेक्शन ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख के रूप में काम कर रहे थे और 2025 से IRGC के इंटेलिजेंस ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख के तौर पर भी दोहरी भूमिका निभा रहे थे।

नवजोत कौर सिद्धू का नया सियासी दांव

9 साल पुरानी पार्टी का पोस्टर शेयर कर बढ़ाई हलचल

कांग्रेस छोड़ चुकीं

नई दिल्ली. पूर्व क्रिकेटर व कांग्रेस के पूर्व पंजाब अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने अब नया दांव खेला है। उन्होंने X (पूर्व ट्विटर) पर नई दिल्ली की 9 साल पुरानी भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी का पोस्टर शेयर किया है।

कयास लगाया जा रहा कि वह अब इसी पार्टी का झंडा उठाकर पंजाब के विधानसभा चुनाव में उतरेंगी। हालांकि इस बात की पुष्टी नहीं हुई की उन्होंने इस पार्टी को जॉइन कर लिया। लेकिन इससे अब उनके BJP में जाने अटकलों पर रोक लग गई है।

उन्होंने X हैंडल पर लिखा- हमने राष्ट्रीय स्तर पर एक नए विकल्प का काम किया है, जिसमें हमने वर्तमान राजनीतिक नेताओं के प्रदर्शन मानकों का गहराई से अध्ययन और मूल्यांकन किया है। हम केवल अपने देश के लिए अपना जीवन समर्पित करना चाहते हैं और लोगों को वही देना चाहते हैं, जिसके वे वास्तव में हकदार हैं और हमसे अपेक्षा रखते हैं।

बहस में किसी को बास्टर्ड कहना अपराध नहीं

सुप्रीम कोर्ट का फैसला; जज ने वजह भी बताई

हाई कोर्ट के आदेश को दी चुनौती

नई दिल्ली. IPC यानी भारतीय दंड संहिता की धारा 294(बी) से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष न्यायालय का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति बहस के दौरान बास्टर्ड जैसे शब्द या गाली का इस्तेमाल करता है, तो इसे इस धारा के तहत अश्लीलता का अपराध नहीं माना जा सकता। अदालत ने आरोपियों को राहत दी और दोषसिद्धि को रद्द कर दिया है।

मद्रास हाई कोर्ट की तरफ से आरोपियों को धारा 294(बी) के तहत दोषी पाया गया था। उनपर बहस के दौरान बास्टर्ड शब्द के इस्तेमाल के आरोप लगे थे। इसके बाद दोनों ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जहां से उन्हें राहत भी मिली है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई

बेंच ने कहा है कि इस धारा के तहत अपराध साबित होने के लिए शब्दों में कोई यौन तत्व शामिल होना जरूरी है। कोर्ट ने उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया है।

बेंच ने कहा, 'हमारा मानना है कि केवल 'बास्टर्ड' शब्द का इस्तेमाल करना किसी व्यक्ति की कामुक इच्छाओं को जगाने के लिए काफी नहीं है। खासकर तब जब आज के दौर में बहस के दौरान ऐसे शब्दों का इस्तेमाल आम बात हो गई है। इसलिए, हमारा मानना है कि IPC की धारा 294(b) के तहत दोषियों को दी गई सजा सही नहीं है और इसे रद्द किया जाता है।'

पूरा मामला समझें...

यह मामला एक पारिवारिक संपत्ति के विवाद से जुड़ा हुआ है। संपत्ति की बाउंड्री को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों आरोपियों का कहना है कि धारा 294(b) के तहत अपराध नहीं हुआ है। जबकि, सरकारी वकील का कहना है कि बास्टर्ड शब्द का इस्तेमाल मृतक के लिए किया गया था। हालांकि, कोर्ट ने इस दलील को नहीं सुक्कीर किया। पीठ ने मामले में आईपीसी की धारा 294 बी के तहत सजा को रद्द कर दिया है, जबकि अन्य आरोपों में सजा को बहाल रखा है।

जम्मू-कश्मीर में 16 साल से फरार पाकिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा टेरर मॉड्यूल से जुड़े कुल 5 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से दो पाकिस्तानी आतंकी हैं, बाकी उनके मददगार हैं। एक आतंकी की पहचान अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरेरा के रूप में हुई है। अब्दुल्ला 16 साल से फरार था। वहीं, दूसरा पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब है। जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसियां भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत 19 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कुछ सामान भी बरामद किया। जांच में LeT के एक नेटवर्क का पता चला, जो आतंकवादियों को फाइनेंशियल मदद करता था।

क्या BJP में जाएंगे राघव चड्ढा!

उनकी RS की सदस्यता बचेगी या जाएगी?

नई दिल्ली. AAP नेता राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के बीच खींचतान बढ़ती जा रही है। आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता पद से हटा दिया है। आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा पर आरोप लगाए हैं कि वह संसद में प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाने से कतराते हैं। यही नहीं आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय से कहा है कि राघव चड्ढा को पार्टी के कोटे से बोलने का समय नहीं दिया जाना चाहिए। इस बीच उनके भाजपा में जाने के कयास लगाए जाने लगे हैं।

सौरभ भारद्वाज के इसी पोस्ट के बाद राघव चड्ढा को लेकर लगाई जाने वाली अटकलों में दो सवाल हावी हैं। क्या राघव चड्ढा औपचारिक रूप से BJP में शामिल हो जाएंगे जैसा कि AAP के नेता लगातार आरोप लगा रहे हैं?

यदि राघव चड्ढा भाजपा में शामिल होते हैं या उनको पार्टी बाहर का रास्ता दिखा देती है तो क्या उनकी राज्यसभा सीट बनी रहेगी? इनमें से किसी का भी कोई सीधा जवाब नहीं है।

BJP से क्या संकेत?

प्रकरण पर BJP ने बहुत सोच-समझकर प्रतिक्रिया दी है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा से जब पूछा गया कि क्या राघव चड्ढा भाजपा में शामिल होंगे तो सचदेवा ने कहा कि अपना भविष्य तय करना उन्हीं के हाथ में है। जाहिर है BJP ने दरवाजे थोड़े खुले जरूर छोड़े हैं लेकिन अंदर से किसी ने अभी तक हाथ नहीं बढ़ाया है। कम से कम सार्वजनिक तौर पर तो अब तक ऐसा नहीं सामने आया है।

ललित मोदी का BCCI पर आरोप

IPL में हर सीजन 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान

IPL के पूर्व कमिश्नर ने कहा कि मौजूदा IPL फॉर्मेट से BCCI और फ्रेंचाइजी को हर सीजन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। उनके मुताबिक, कम मैच इसकी सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने कहा, यह वो नहीं जो हमने बेचा था।

उन्होंने स्पोर्ट्स स्टार के इंटरव्यू में कहा, शुरू में हर टीम को एक-दूसरे से दो बार खेलने का प्लान था। 2022 में 10 टीम होने पर 90 लीग मैच और चार नॉकआउट मैच होते। हालांकि, IPL ने होम-एंड-अवे सिस्टम बदलकर 74 मैच ही रखे। इससे फ्रेंचाइजियों को नुकसान हो रहा है। यह वो नहीं जो हमने बेचा था।

उन्होंने कहा, हर मैच के लिए BCCI को 50% और बाकी 50% टीमों में बांटा जाता है। इससे टीमों को 20 मैचों का नुकसान हो रहा है।

होम-एंड-अवे फॉर्मेट में छिपी है असली वैल्यू

उन्होंने स्पोर्ट्सस्टार से कहा, IPL की असली वैल्यू होम-एंड-अवे फॉर्मेट में है। अगर कैलेंडर में मैचों की जगह नहीं थी, तो टीमों की संख्या नहीं बढ़ानी चाहिए थी। उन्होंने कहा, हमने IPL इस तरह नहीं बेचा था। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सभी टीमों ने इस बदलाव पर सहमति दी थी और कहा कि ऐसा नहीं हुआ होगा।

94 मैच होते तो बढ़ती कमाई

उन्होंने कहा, अगर होम-एंड-अवे फॉर्मेट में 94 मैच होते और हर मैच की कीमत 118 करोड़ रुपए होती, तो मीडिया राइट्स से 2,400 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कमाई होती। यानी BCCI को 2,400 करोड़ रुपए का अतिरिक्त रेवेन्यू मिलता। इसमें 1,200 करोड़ रुपए 10 टीमों को मिलते, हर टीम को 120 करोड़ रुपए, और टीमों की वैल्यू बढ़ती।

जग्गी हत्याकांड, 20 साल बाद अमित जोगी को उम्रकैद

हाईकोर्ट बोला- समान साक्ष्य में आरोपी से भेदभाव नहीं होगा,

SC में 20 अप्रैल को सुनवाई

बिलासपुर. छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा कि जब सभी आरोपियों पर एक ही अपराध में शामिल होने का आरोप हो, तो किसी एक आरोपी के साथ जानबूझकर अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता।

अदालत ने यह भी कहा कि जब सभी आरोपियों के खिलाफ एक जैसे सबूत हों, तो किसी एक को बरी कर देना और बाकी को उन्हीं सबूतों के आधार पर दोषी ठहराना सही नहीं है, जब तक कि उसे छोड़ने का कोई ठोस और अलग कारण साबित न हो। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविन्द वर्मा की स्पेशल डिविजनल बेंच ने फैसला सुनाया है। अमित जोगी को IPC की धारा 302 और 120-बी के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद और 1000 रुपए जुर्माने की सजा दी गई। जुर्माना न देने पर 6 महीने अतिरिक्त सजा होगी।

सुप्रीम कोर्ट में 20 को होगी सुनवाई

- सुप्रीम कोर्ट से अमित जोगी को फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है, हालांकि कोर्ट ने मामले को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है और 20 अप्रैल को इसकी सुनवाई होगी। जोगी की ओर से दो आदेशों को चुनौती दी गई है पहला, जिसमें CBI को अपील करने की अनुमति दी गई और दूसरा, हाईकोर्ट का वह फैसला, जिसमें उन्हें हत्या का दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई गई।
- दोनों मामलों को सुप्रीम कोर्ट ने एक साथ सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। प्रारंभिक सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजीव मेहता की बेंच में हुई। जोगी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, विवेक तन्खा और सिद्धार्थ दवे ने पक्ष रखा।

हाईकोर्ट ने अमित जोगी को 3 हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है। इसके खिलाफ जोगी ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। सुनवाई 20 अप्रैल को होगी।

असम पुलिस की कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के घर छापेमारी

असम पुलिस की टीम कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के दिल्ली आवास पर पहुंची है। सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी की FIR के बाद यह कार्रवाई की गई है। पवन घर पर नहीं है। असम पुलिस उनसे पूछताछ के लिए इंतजार कर रही है। दिल्ली पुलिस भी साथ में मौजूद है।

दरअसल दो दिन पहले पवन ने असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर आरोप लगाया था कि उनके पास मिस्र, एंटीगा-बरबूडा और UAE के पासपोर्ट हैं। हिमंता और उनकी पत्नी ने आरोपों को गलत बताया था।

दिल्ली में छापेमारी पर सीएम सरमा ने आज कहा कि वह कल गुवाहाटी से भाग गए। मुझे मीडिया के जरिए पता चला है कि पुलिस दिल्ली में उनके घर गई थी, लेकिन वह हैदराबाद भाग गए हैं। कानून अपना काम करेगा।

हिमंता की पत्नी ने सोमवार को FIR भी कराई थी। असम में 9 अप्रैल को वोटिंग होगी। आज शाम 5 बजे प्रचार थम जाएगा।

अरुणाचल प्रदेश के CM का परिवार अब CBI के रडार पर

1270 करोड़ का मामला; सुप्रीम कोर्ट बोला- जांच करो

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को CBI यानी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को निर्देश दिया कि अरुणाचल प्रदेश में सार्वजनिक कार्यों के ठेके मुख्यमंत्री पेमा खांडू के परिजन से जुड़ी कथित कंपनियों को दिए जाने के मामले में जांच करे। शीर्ष न्यायालय ने केंद्रीय एजेंसी को 2 सप्ताह के अंदर जांच शुरू करने के लिए कहा है। पीठ ने सीबीआई को निर्देश दिया कि वह इस मामले में 16 सप्ताह में अपनी स्थिति रिपोर्ट अदालत में दाखिल करे।

सीबीआई को निर्देश

जस्टिस विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि आदेश के तहत राज्य में 1 जनवरी 2015 से 31 दिसंबर 2025 तक सार्वजनिक कार्यों, ठेकों और कार्य आदेशों के आवंटन और उनके कामों की जांच की जाए। जस्टिस नाथ ने आदेश सुनाते हुए कहा, 'सीबीआई इस निर्णय की तारीख से दो सप्ताह में प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज करेगी और कानून के अनुसार आगे बढ़ेगी।'

1200 करोड़ से ज्यादा के काम जांच के दायरे में

विस्तृत आदेश का इंतजार है। शीर्ष अदालत ने 17 फरवरी को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि पिछले 10 वर्ष में अरुणाचल प्रदेश में लगभग 1,270 करोड़ रुपये के सरकारी ठेके और कार्य आदेश मुख्यमंत्री खांडू के परिजन से जुड़ी चार कंपनियों को दिए गए।

महज नमाज पढ़ने से कोई जगह मस्जिद नहीं बन जाती

भोजशाला पर HC में बोला हिंदू पक्ष

इंदौर. मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच में धार के भोजशाला परिसर के धार्मिक स्वरूप को लेकर चल रहे विवाद के मुकदमे में मंगलवार को हिंदू पक्ष ने दलील दी कि किसी स्थान पर केवल नमाज पढ़ लेने से वह जगह कानूनन मस्जिद नहीं बन जाती है। 11वीं सदी का भोजशाला परिसर स्थित विवादित ढांचा वक्फ संपत्ति नहीं है। बता दें कि हिंदू पक्ष भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है जबकि मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद मानता है। यह विवादित परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षण में है।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ भोजशाला परिसर के धार्मिक स्वरूप से जुड़ी याचिकाओं पर सोमवार 6 अप्रैल से रोज सुनवाई कर रही है। दूसरे दिन हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस के वकील विष्णु शंकर जैन ने अदालत में अपनी दलीलें जारी रखीं। उन्होंने जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की खंडपीठ के सामने कहा कि विवादित परिसर में धार के परमार राजवंश के राजा भोज द्वारा 1034 में स्थापित सरस्वती मंदिर पहले से मौजूद था।

वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि इस जगह को ऐतिहासिक एवं राजस्व रिकॉर्ड में 'भोजशाला' के रूप में ही जाना जाता है। विष्णु शंकर जैन भोजशाला को मंदिर होने के पक्ष में देशी-विदेशी लेखकों की किताबों, एएसआई, पुरातत्व विभाग के प्रकाशित ग्रंथों और अन्य स्त्रोतों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि भोजशाला परिसर में बने मंदिर को आक्रांताओं द्वारा ध्वस्त किया गया। इसके अवशेषों से विवादित ढांचे को खड़ा किया गया। फिर नमाज के लिए इस्तेमाल किया गया।

संक्षेप...

ऐरोली में युवक पर जानलेवा हमला

नवी मुंबई. नवी मुंबई एक शांत शहर के तौर पर जाना जाता है, लेकिन यहां के ऐरोली नोड में एक समय में कई जघन्य अपराध हुए हैं. लेकिन, पिछले दस साल से शांत ऐरोली में रात करीब 12:30 बजे एक युवक को गोली मार कर उसकी हत्या करने का प्रयास किया गया, इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज चल रहा है.

राज्यसभा में शरद पवार की वापसी

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति के सबसे अनुभवी नेताओं में शुमार शरद पवार ने आज राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेकर एक बार फिर सक्रिय राजनीति में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई. महाविकास आघाड़ी (MVA) के उम्मीदवार के रूप में वे निर्विरोध चुने गए, जो उनके राजनीतिक प्रभाव और स्वीकार्यता को दर्शाता है.

60 साल की संसदीय यात्रा की ओर बढ़ते पवार

शपथ के बाद शरद पवार ने कहा कि उनका राजनीतिक सफर 1967 से शुरू हुआ था और अब उन्हें अगले 6 वर्षों के लिए राज्यसभा में काम करने का अवसर मिला है. इसका मतलब है कि मेरा संसदीय अनुभव 65 वर्षों तक पहुंच जाएगा, जो मेरे लिए एक बड़ी

जिम्मेदारी और अवसर है. उन्होंने अपने स्वास्थ्य को लेकर भी खुलकर बात की और बताया कि निमोनिया के कारण उन्हें कुछ समय के लिए व्हीलचेयर का सहारा लेना पड़ा, लेकिन अब वे तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं और जल्द ही महाराष्ट्र का दौरा करेंगे.

इस मौके पर उनकी बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने एक भावुक संदेश जारी करते हुए लिखा कि आदरणीय पवार साहेब ने आज राज्यसभा में शपथ ली. उन्होंने 59 वर्षों की संसदीय सेवा पूरी कर 60वें वर्ष में प्रवेश किया है. छह बार विधायक, एक बार विधान परिषद सदस्य, सात बार लोकसभा सांसद और अब तीसरी बार राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका यह अविजीत प्रवास जारी है. उन्होंने बारामती और देशभर के लोगों का आभार जताते हुए कहा कि पवार साहेब को मिला जनसमर्थन परिवार के लिए अमूल्य धरोहर है.

सांसद म्हस्के नाट्य परिषद ठाणे के अध्यक्ष चुने गए

ठाणे. सांसद नरेश म्हस्के को ऑल इंडिया मराठी नाट्य परिषद, ठाणे ब्रांच की हुई एक खास मीटिंग में बिना किसी विरोध के ऑर्गनाइज़ेशन का अध्यक्ष चुना गया। मीटिंग में नाट्य परिषद सेंट्रल के उपाध्यक्ष नरेश गाडेकर, गवर्निंग बोर्ड के सदस्य सतीश लोटके और ऑब्ज़र्वर के तौर पर शिवाजी शिंदे शामिल हुए।

सांसद नरेश म्हस्के ने ऑल इंडिया मराठी नाट्य परिषद की पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, और ज़्यादा जोश और नए तरीके से काम करते हुए ठाणे ब्रांच को सबसे अच्छी ब्रांच बनाने का पक्का इरादा जताया। उन्होंने बताया कि वे थिएटर और कल्चरल फील्ड में ठाणे ब्रांच के लिए एक अलग जगह बनाने के लिए आर्टिस्ट, प्रोड्यूसर, स्टेज मैनेजर और वर्कर समेत सभी लोगों के साथ मिलकर काम करेंगे, उन्होंने सेंट्रल ब्रांच से आने वाले समय में ठाणे में एक और थिएटर कॉन्फ्रेंस करने की मांग की।

CM ने मुंबई मेट्रो लाइन 9 और 2बी का किया उद्घाटन

मुंबई. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को मुंबई मेट्रो लाइन 9 और लाइन 2बी के पहले चरण का उद्घाटन किया और दोनों मार्गों पर नियमित सेवाएं बुधवार से शुरू होने वाली हैं। इसके साथ ही, देश की वित्तीय राजधानी में छह मेट्रो लाइन चालू हो जाएंगी। लाइन 9 दहिसर पूर्व से काशीगांव तक है, जबकि लाइन 2बी मंडले से चेम्बूर तक परिचालित होती है।

फडणवीस ने दहिसर पूर्व से एक ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर मेट्रो लाइन 9 के पहले चरण का उद्घाटन किया तथा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक और मुंबई की महापौर रितु तावड़े के साथ काशीगांव तक यात्रा की। यह लाइन दहिसर के उत्तरी उपनगर को ठाणे जिले के पड़ोसी मीरा भायंदर से जोड़ती है।

फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में एक सुगम और सुलभ परिवहन प्रणाली विकसित की जा रही है, जिसमें मेट्रो, ई-बसें और जल परिवहन को एकीकृत किया जा रहा है ताकि यह शहर देश का सबसे सुलभ शहर बन सके।

उन्होंने कहा कि 100 किलोमीटर से अधिक परिचालन मेट्रो लाइन के साथ मुंबई अब मेट्रो नेटवर्क के मामले में दिल्ली के बाद देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि शेष अधिकांश परियोजनाएं अगले दो वर्षों में पूरी हो जाएंगी।

मुंबई में अब चालू हालत में छह मेट्रो कॉरिडोर हैं, जिनमें मेट्रो लाइन 1 (घाटकोपर-अंधेरी-वर्सोवा), लाइन 2ए (अंधेरी पश्चिम-दहिसर पूर्व), लाइन 7 (दहिसर पूर्व और अंधेरी पूर्व) और लाइन 3 (जिसे एक्वा लाइन के नाम से जाना जाता है) (कोलाबा-बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स-एसईईपीजेड) शामिल हैं।

मेट्रो लाइन 9 के पहले चरण में 5.6 किमी लंबा एलिवेटेड खंड है, जिसमें चार स्टेशन हैं – दहिसर

पूर्व, पांडुरंगवाड़ी, मीरागांव और काशीगांव।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मीरा-भायंदर में साई बाबा नगर और सुभाष चंद्र बोस मैदान के बीच, दूसरे चरण का लगभग 96 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और चार अतिरिक्त स्टेशन वाले 4.3 किलोमीटर लंबे खंड का उद्घाटन इसी वर्ष के अंत में किया जाएगा।

उन्होंने कहा, ''इस मेट्रो लाइन से हम एक ऐसी यात्रा को लगभग 30 मिनट में पूरा कर सकेंगे, जिसमें वर्तमान में एक से दो घंटे लगते हैं।'' उन्होंने बताया कि इस परियोजना पर 6,607 करोड़ रुपये की लागत आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो लाइन 9, मीरा-भायंदर से दक्षिण मुंबई के कोलाबा तक मेट्रो लाइन 7 से जुड़कर निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, और भविष्य में लाइन 7ए और 3 से भी जुड़ेगी। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन, एलईडी लाइटिंग, रिजेनरेटिव ब्रेकिंग और सोलर पैनल जैसी सुविधाओं के कारण यह मेट्रो लाइन पर्यावरण के अनुकूल है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि 'नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड' (एनसीएमसी) सफल रहा है, क्योंकि 80 प्रतिशत यात्रियों ने कैशलेस टिकट बुकिंग का विकल्प चुना है।

मीरा-भायंदर में चार लेन के पुल के दो लेन वाला कर दिये जाने के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में, फडणवीस ने कहा कि यह पुल घनी आबादी वाले क्षेत्र में बनाया गया है और इसका निर्माण आंशिक रूप से ही पूरा हुआ है।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, 19.79 किमी लंबा एकीकृत मेट्रो लाइन 7-9 कॉरिडोर (गुंडावली-काशीगांव) सुबह 5:50 बजे से रात 11 बजे तक चलेगा, जिसकी अधिकतम आवृत्ति छह मिनट से भी कम होगी।

यह जानकारी मिली है कि सप्ताह के शुरूआती पांच दिनों में कुल 276 सेवाएं, शनिवार को 223 और रविवार को 205 सेवाएं संचालित होंगी।

मेट्रो लाइन 9 के शुरू होने के साथ ही, लाइन 2ए और 7 स्वतंत्र कॉरिडोर के रूप में संचालित होंगी। पहले, इन लाइन पर सेवाएं अंधेरी पूर्व से अंधेरी पश्चिम तक दहिसर पूर्व होते हुए एक ही मार्ग पर थीं।

लाइन 7 को लाइन 9 से एकीकृत किया जाएगा, जिससे अंधेरी पूर्व से मीरा-भायंदर तक काशीगांव होते हुए सीधी कनेक्टिविटी संभव हो सकेगी। दहिसर स्टेशन पर इंटरचेंज सुविधा से सशुल्क क्षेत्र से बाहर निकले बिना निर्बाध रूप से यात्री सफर कर सकेंगे। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने ट्रेन परिचालन में सुधार के लिए लाइन 2ए और 7 की समय सारिणी में संशोधन किया है, और नयी समय सारिणी बुधवार से प्रभावी हो जाएगी।

बाद में दोपहर में, मुख्यमंत्री ने पूर्वी उपनगरों में मंडले से चेंबूर तक मुंबई मेट्रो लाइन 2बी के 5.53 किलोमीटर लंबे, पहले चरण का उद्घाटन किया।

पहला चरण, मानखुर्द में सेंट्रल रेलवे की हार्बर लाइन को जोड़ेगा।

मंडले डिपो भारत का सबसे बड़ा एलिवेटेड मेट्रो डिपो होगा, जहां 72 मेट्रो ट्रेनों के रखरखाव की व्यवस्था होगी।

200 रिक्शा चालकों की बैठक

▪ CNG हाइड्रोटेस्टिंग की कीमत कम करने की मांग

ठाणे. शिव परिवार संगठन द्वारा शिवदूत रिक्शा चालकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें लगभग 200 चालक शामिल हुए। बैठक में मुख्य मुद्दा सीएनजी हाइड्रोटेस्टिंग की बढ़ती कीमत रहा, जिसे कम करने की सभी ने एकजुट होकर मांग की।संस्था के संस्थापक विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में रिक्शा चालकों की समस्याओं को सुनते हुए उन्होंने ने आश्वासन दिया कि इस विषय पर संबंधित विभागों से बात कर उचित समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिव परिवार हमेशा श्रमिक वर्ग के साथ खड़ा है और ठाणे-मुंबई उनकी प्राथमिकता है। बैठक में शामिल सभी चालकों के नाम व हस्ताक्षर संलग्न सूची में दर्ज हैं।बैठक को सफल बनाने में शिवदूत साथियों का विशेष योगदान रहा, जिनमें कमलेश सिंह, अरविंद गिरी, दिलीप सिंह, दीपक गिरी, अनिल ताटरे, आशीष सिंह, अशोक गिरी, मनोज सिंह, धीरेन्द्र सिंह, दीपक राणे, अमर सिंह एवं योगेश देसाले प्रमुख रूप से शामिल रहे।

स्वास्थ्य के लिए लोगों की भागीदारी आज की ज़रूरत

ठाणे. आज की बदलती जीवनशैली में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए, लोगों को विज्ञान को अपनाकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता दिखानी होगी।सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए विज्ञान के साथ के कॉन्सेप्ट को लागू करने के लिए, सभी को बचाव के उपायों और समय पर चेक-अप पर ध्यान देना चाहिए।ठाणे सिविल हॉस्पिटल डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी और डिस्ट्रिक्ट मीडिएशन सेंटर ठाणे ने मिलकर वर्ल्ड हेल्थ डे के मौके पर एक खास प्रोग्राम किया। इस साल के कॉन्सेप्ट के मुताबिक, हॉस्पिटल

कैंपस से एक पब्लिक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसका मकसद विज्ञान पर आधारित स्वास्थ्य जांच और कम्युनिटी की कोशिशों को मिलाना था। इस रैली में बड़ी संख्या में डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और मॉडर्न मेडिसिन के महत्व और हेल्दी लाइफ के लिए साइंटिफिक अप्रोच अपनाने का मैसेज दिया।इस मौके पर डॉ. पवार ने गाइडेंस देते हुए कहा, "विज्ञान ने स्वास्थ्य के फील्ड में बहुत तरक्की की है, लेकिन इसका फायदा उठाने के लिए लोगों को खुद आगे आना होगा। अगर हम छोटे-छोटे लक्षणों को इग्नोर न करें और साइंस के आधार पर सही डायग्नोसिस और इलाज करवाएं, तो भविष्य में बड़े खतरों से बचा जा सकता है।हाथों में अलग-अलग अवेयरनेस बोर्ड लिए हुए, पार्टिसिपेंट्स ने साइंटिफिक स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ साफ-सफाई, बैलेंस्ड डाइट और रेगुलर एक्सरसाइज का असरदार मैसेज दिया।इस इवेंट में अतिरिक्त सिविल सर्जन डॉ. धीरज महानगड़े, एडवोकेट संदीप येवले, सीनियर सर्जन डॉ. निशिकांत रोकड़े, डॉ. अर्चना पवार, विनोद राणे के साथ-साथ हॉस्पिटल के बड़ी संख्या में एक्सपर्ट डॉक्टर और स्टाफ मौजूद थे।

शनिवार को ठाणे के कई इलाकों में नहीं होगी जलापूर्ति

ठाणे. ठाणे महानगरपालिका के जलापूर्ति योजना की मुख्य पाइपलाइन में माजीवाडा जंक्शन पर हो रहे लिकेज को दूर करने के लिए मरम्मत कार्य किया जाना है. जिसकी वजह से शनिवार को 24 घंटे जलापूर्ति ठप रहेगी.

माजीवाड़ा जंक्शन पर मुख्य पाइपलाइन से बहुत ज़्यादा पानी बह रहा है, जिससे ट्रैफिक में भी दिक्कत आ रही है. लीकेज को तुरंत बंद करने की ज़रूरत है. इस काम के लिए, ठाणे शहर के कुछ इलाकों में पानी की सप्लाई शनिवार, 11 अप्रैल, सुबह 9.00 बजे से रविवार, 12 अप्रैल, 2026, सुबह 9.00 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए बंद रहेगी.

ट्रैफिक जाम की समस्या का समाधान करने के लिए तत्काल कदम उठाए

ठाणे. मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने सोमवार को हुई एक मीटिंग में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे मनपा क्षेत्र की लोकमान्य सावरकरनगर प्रभाग समिति के छत्रपति संभाजी महाराज चौक, आर.जे. ठाकुर कॉलेज नाका और कामगार नाका इलाकों में होने वाले भीषण ट्रैफिक जाम से नागरिकों को राहत दिलाने के लिए तत्काल कदम उठाएं।अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे, पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक पंकज शिरसाट, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रवीण माने, सदन के नेता हनमंत जगदाले, विपक्ष के नेता अशरफ यू शानू पठान, शिवसेना गटनेता पवन कदम, नगरसेवक दिलीप बारटक्के, राकेश शिंदे, नगरसेविका कंचन चिंदरकर, शीतल धामले, उपायुक्त उमेश बिरारी, दिनेश तायडे, कार्यकारी अभियंता संदीप सावंत आदि मीटिंग में मौजूद थे।इस क्षेत्र में यातायात की समस्या को हल करने

के लिए, पी 1, पी 2 में पार्किंग की उचित योजना बनाई जानी चाहिए और वार्डों में बड़ी संख्या में पुराने वाहन, स्क्रैपयार्ड में खराब स्थिति में वाहन, जंग लगे और जीर्ण वाहन हैं, ऐसे वाहनों को अतिक्रमण विभाग के माध्यम से हटाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने इस बैठक में दिए।सदन नेता हनमंत जगदाले ने सुझाव दिया कि शास्त्री नगर नाका में बसों के लिए दो पार्किंग भूखंड उपलब्ध कराए जाने चाहिए। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रवीण माने ने सुझाव दिया कि यदि इंदिरा नगर से रोड नंबर 22, लोकमान्य नगर पाडा, आर.जे. ठाकुर और अन्य आसपास के क्षेत्रों में परिवहन बसों की संख्या बढ़ाई जाती है, तो इस क्षेत्र में रिक्शा की बढ़ती संख्या पर अंकुश लगेगा।वार्ड में सड़कों पर सोसाइटियों के सामने नागरिकों द्वारा अवैध रूप से पार्क किए गए वाहनों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जानी चाहिए। यशोधन नगर से डिपो की ओर जाने वाली सड़कों पर गैरेज मालिकों के खिलाफ अतिक्रमण विभाग के माध्यम से कार्रवाई की जाए, गुमाश्ता लाइसेंस ऑफिस के पास सड़क पर ट्रैफिक जाम को तुरंत हटाने के लिए कार्रवाई की जाए, इस हिस्से में मंगलवार को लगने वाले साप्ताहिक बाजार को बंद करने के लिए कार्रवाई करने के

अश्लील गाने के विवाद में नोरा की मुश्किल बढ़ी

▪ पेश न होने पर महिला आयोग भड़का

केडीः द डेविल के गाने 'सरके चुनर तेरी' विवाद में सफाई के बावजूद नोरा फतेही की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। 6 अप्रैल को राष्ट्रीय महिला आयोग की सुनवाई में वह पेश नहीं हुईं, जिस पर आयोग ने नाराज होकर उन्हें आखिरी मौका दिया। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, 6 अप्रैल को राष्ट्रीय महिला आयोग की सुनवाई में सरके चुनरिया तेरी के लिरिसिस्ट रकीब आलम, फिल्म केडीःद डेविल के डायरेक्टर प्रेम और केवीएन प्रोड क्श न के

रीप्रेसेंटेटिव गौतम के.एम और सुप्रिथ पेश हुए थे। इस सुनवाई की अध्यक्षता आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने की थी। समन में नोरा फतेही को भी पेश होने के लिए कहा गया था, हालांकि वो खुद नहीं आईं और सफाई देने के लिए वकील को भेजा। सुनवाई में विजया रहाटकर ने चिंता जताते हुए कहा कि गाने के बोल महिलाओं की गरिमा के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि क्रिएटिविटी के नाम पर महिलाओं की गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान मौजूद सभी ने ये स्वीकार किया कि गाना आपत्तिजनक था, जिसका नाकारात्मक प्रभाव पड़ा और सभी ने इसके लिए लिखित माफी भी दी। इसके अलावा सभी ने तीन महीनों तक महिला सशक्तिकरण के लिए काम करने और महिला आयोग को इसकी रिपोर्ट देने का आश्वासन दिया है।

संजय दत्त को भी समन

आयोग ने संजय दत्त को भी समन भेजकर 8 अप्रैल को होने वाली सुनवाई में पेश होने का आदेश दिया है। उनके अलावा नोरा फतेही की गैरमौजूदगी पर भड़कर आयोग ने उन्हें 27 अप्रैल को पेश होने का आखिरी मौका दिया है।

IIT दिल्ली कोडिंग चैंपियनशिप में पुणे के छात्र ने हासिल किया राष्ट्रीय सम्मान

पुणे. शहर के लिए गर्व का क्षण तब आया जब 13 वर्षीय विराज कौशल ने IIT दिल्ली में आयोजित 10वीं टेकरेडिएंस नेशनल कोडिंग एंड रोबोटिक्स चैंपियनशिप 2026 में सेकेंड रनर-अप स्थान हासिल किया। 4–5 अप्रैल को IIT दिल्ली में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता को देश के सबसे प्रतिष्ठित छात्र नवाचार मंचों में गिना जाता है। इसमें कक्षा 3 से 12 तक के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को चार चरणों की कठिन चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा, जिसके बाद फाइनल राउंड IIT दिल्ली में आयोजित किया गया।

कोडिंग हैकाथॉन में दिखाई प्रतिभा

विराज ने कोडिंग हैकाथॉन 2026 में एकल प्रतिभागी के रूप में

हिस्सा लिया और देशभर के टॉप 20 फाइनलिस्ट्स में जगह बनाई। अपनी उत्कृष्ट कोडिंग स्किल्स, रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पोडियम फिनिश हासिल की। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए विराज को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। सेंट मैरी स्कूल के छात्र विराज की इस उपलब्धि से न केवल उनके स्कूल बल्कि पूरे पुणे शहर का नाम रोशन हुआ है।

स्कूल बस ने बाइक को मारी टक्कर, 2 की मौत, 1 घायल

मुंब्रा. एम एम व्हली रोड पर स्कूल बस ने ट्रिपल मोटरसाइकिल सवार को ठोकर मार दी, इस घटना में 2 लोगों की मौके पर मौत हो गई। वहीं घायल युवक का एम एम व्हली स्थित मनपा अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना से परिजनों पर जहां दुःख का पहाड़ टूट पड़ा। वहीं परिसर में शोक की लहर है। मृत युवकों को आगे की कार्रवाई के लिए शिवाजी महाराज अस्पताल में भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही ट्रैफिक व मुंब्रा पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत बचाव कार्य किया।

आम तोड़ने गए बच्चे का पैर तोड़ा

▪ तीन अन्य बच्चे पिटाई के बाद हुए बेहोश

भिवंडी. आम तोड़ने गए चार नाबालिग बच्चों को तालिबानी सजा देने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। भिवंडी के चाविंद्रा स्थित नत्थू नगर इलाके में एक बाग मालिक ने बच्चों को पकड़कर इतनी बेरहमी से पीटा कि एक बच्चे का पैर फ्रैक्चर हो गया, जबकि अन्य तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आने के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया है। जानकारी के अनुसार, नत्थू नगर क्षेत्र में स्थित एक प्लॉट में लगे आम तोड़ने के लिए अवचितपाडा इलाके के चार नाबालिग बच्चे रविवार को पहुंचे थे। इसी दौरान जमीन के मालिक विलास पाटील ने बच्चों को देख लिया। आरोप है कि उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर बच्चों का पीछा किया, उन्हें पकड़ लिया और फिर जमकर पिटाई कर दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बच्चों को इतनी बुरी तरह पीटा गया कि वे मौके पर ही बेहोश हो गए। उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। घटना के बाद एक स्थानीय व्यक्ति ने मानवता दिखाते हुए सभी घायल बच्चों को तुरंत इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के मुताबिक, सभी बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है।

आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि मामूली चोरी के शक में इस तरह की क्रूरता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जा सकती। मामले की गंभीरता को देखते हुए भिवंडी तालुका पुलिस ने आरोपी विलास पाटील के खिलाफ नाबालिग बच्चों के साथ मारपीट और गंभीर चोट पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज कर लिया है।

आम सूचना

मैं श्री स्वप्नील राजकुमार पाटील सभी को सूचित कर रहा हूं कि 41/1, गजानन नगर, पोर्शन, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 41सीआय012791700) उक्त प्रॉपर्टी श्री शीतल राजकुमार पाटील के नाम पर है। श्री राजकुमार गिरधर पाटील व श्री अभिजीत राजकुमार पाटील ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 19.2.2026 सी.नं. 114 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-

श्री स्वप्नील राजकुमार पाटील

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099